



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-22022025-261213
CG-DL-E-22022025-261213

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 915]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 20, 2025/फाल्गुन 1, 1946

No. 915]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 20, 2025/PHALGUNA 1, 1946

कोयला मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 2025

का.आ. 923(अ).— कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20), (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन जारी भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 14 नवंबर 2024 में प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्याक का. आ. 4924(अ), तारीख 12 नवंबर, 2024 के प्रकाशन पर उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित 101.174 हेक्टर (लगभग) या 250.00 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि और ऐसी भूमि (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त भूमि कहा गया है), में या उस पर के सभी अधिकार, उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन, सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर, आत्यंतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए थे;

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है, कि महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, जागृति विहार, बुर्ला, संबलपुर 768020, ओडिशा (जिसे इसमें इसके पश्चात सरकारी कंपनी कहा गया है), ऐसे निबंधनों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त अधिरोपित करना उचित समझे, अनुपालन करने के लिए सहमत है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है, कि इस प्रकार निहित 101.174 हेक्टर (लगभग) या 250.00 एकड़ (लगभग) माप वाली उक्त भूमि में या उस पर के सभी अधिकार 14 नवंबर, 2024 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने के बजाए, निम्नलिखित

निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, सरकारी कंपनी में निहित हो जाएंगे, अर्थात:-

- (1) सरकारी कंपनी, उक्त अधिनियम और अन्य सुसंगत विधियों के उपबंधों के अधीन यथा अवधारित प्रतिकर, व्याज, क्षतियों और वैसी ही मदों की बाबत किए गए संदायों की केंद्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी;
- (2) उक्त अधिनियम की धारा 14 के अधीन एक अधिकरण का गठन किया जाएगा, जिसमें शर्त (1) के अधीन सरकारी कंपनी द्वारा केन्द्रीय सरकार को संदेय रकमों का अवधारण करने के प्रयोजनों के लिए, और किसी ऐसे किसी अधिकरण और उक्त अधिकरण की सहायता करने के लिए नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यय, उक्त सरकारी कंपनी द्वारा वहन किए जाएंगे और इसी प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकार के लिए या उनके संबंध में अपीलों आदि जैसी सभी विधिक कार्यवाहियों की बाबत उपगत, सभी व्यय भी, सरकारी कंपनी द्वारा वहन किए जाएंगे;
- (3) सरकारी कंपनी, केंद्रीय सरकार या उसके पदधारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में क्षतिपूर्ति करेगी, जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के बारे में, केंद्रीय सरकार या उसके पदधारियों द्वारा या उनके विरुद्ध किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में आवश्यक हो;
- (4) सरकारी कंपनी को केंद्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना, उक्त भूमि और उसके अधिकारों को किसी अन्य व्यक्ति को अन्तरण करने की शक्ति नहीं होगी; और
- (5) सरकारी कंपनी, ऐसे निदेशों और शर्तों का पालन करेगी, जो केंद्रीय सरकार द्वारा, जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए दिए जाएं या अधिरोपित किए जाएं।

[फा. सं. 43015/7/2023-एलएआईआर]

भबानी प्रसाद पति, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COAL

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th February, 2025

S.O. 923 (E).— Whereas, on the publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 4924(E), dated the 12th November, 2024, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 14th November, 2024, issued under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the land and all rights in or over the land measuring 101.174 hectares (approximately) or 250.00 acres (approximately) described in the Schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said land) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of section 10 of the said Act;

And whereas, the Central Government is satisfied that Mahanadi Coalfields Limited, Jagruti Vihar, Burla, Sambalpur 768020, Odisha (hereinafter referred to as the Government Company) is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the land measuring 101.174 hectares (approximately) or 250.00 acres (approximately) and all rights in or over the said land so vested shall with effect from the 14th November, 2024 instead of continuing to so vest in the Central Government, shall vest in the Government company, subject to the following terms and conditions, namely:-

1. The Government company shall make all payments in respect of compensation, interest, damages and the like, as determined under the provisions of the said Act and other relevant laws;

2. A Tribunal shall be constituted under section 14 of the said Act, for the purpose of determining the amounts payable by the Government company under condition (1) and all expenditure incurred in connection with any such Tribunal and persons appointed to assist the Tribunal shall be borne by the Government company and similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals, etc., for or in connection with the rights, in or over the said land, so vested, shall also be borne by the Government company;
3. The Government company shall indemnify the Central Government or its officials against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings by or against the Central Government or its officials regarding the rights in or over the said land so vested;
4. The Government company shall have no power to transfer the said land and the rights to any other persons without the prior approval of the Central Government; and
5. The Government company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said land, as and when necessary.

[F. No. 43015/7/2023-LAIR]

BHABANI PRASAD PATI, Jt. Secy.